प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

02.05.2026 / प्रादेशिक समाचार / 15:00बजे

अलर्ट सिस्टम

केन्द्र सरकार ने स्वदेशी तकनीक का उपयोग करते हुए नागरिकों को आपदा की तत्काल सूचना देने के लिए सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम शुरू किया है। इस प्रणाली का परीक्षण करने के लिए आज दोपहर करीब 12 बजे नागरिकों के मोबाइल पर सायरन के साथ एक सूचना भेजी गई। परीक्षण के दौरान संदेश में लिखा था–सतर्क नागरिक–सुरक्षित राष्ट्र। यह संदेश परीक्षण के लिए है, इसलिए जनता को इस पर कोई प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता नहीं है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इस संदेश से नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसी प्रणाली के माध्यम से आपदा या आपात स्थिति में स्थानीय भाषा में और स्थान के अनुसार तत्काल अलर्ट भेजे जा सकेंगे।

.....

भाजपा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल ने नगर निकाय चुनाव में पार्टी की जीत का दावा किया है। नाहन में आज मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा ने सभी स्थानों पर अपने उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतार दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनता चुनावी वायदे पूरा न करने वाली कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली से तंग आ चुकी हैं और इन चुनावों में सरकार को जवाब देगी।

.....

नामांकन

प्रदेश में नगर निकाय चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का आज अंतिम दिन है। इन चुनावों के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की जांच 4 मई को की जाएगी। इसके बाद 6 मई को उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी कर उन्हें चुनाव चिन्ह दिए जाएंगे। नगर निकायों के लिए मतदान 17 मई को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच होगा और इसी दिन शाम तक परिणाम भी घोषित कर दिए जाएंगे। इस बीच नगर निकाय चुनाव के लिए विभिन्न स्थानों पर आज कई उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

.....

नियंत्रण कक्ष

किन्नौर ज़िले में पंचायत चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से निपटाने के लिए रिकांगपिओ में नियंत्रण कक्ष व मीडिया सैल स्थापित किया गया है। ज़िला निर्वाचन अधिकारी व उपायुक्त अमित कुमार शर्मा ने बताया कि ये नियंत्रण कक्ष चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी सभी गतिविधियों की सतत् निगरानी करेगा।

इसके माध्यम से मतदान से पूर्व, मतदान दिवस और मतगणना के दौरान विभिन्न विभागों व चुनाव से जुड़े अधिकारियों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मीडिया सैल चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता व सूचना के प्रभावी प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

.....

नियुक्ति

दूसरी ओर, हमीरपुर ज़िले में पंचायत चुनावों के सुचारू संचालन के लिए ज़िला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। उपायुक्त व ज़िला निर्वाचन अधिकारी गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर त्वरित कार्रवाई के लिए हमीरपुर के पुलिस अधीक्षक को नोडल अधिकारी तैनात किया गया है। मीडिया सैल के नोडल अधिकारी अतिरिक्त उपायुक्त होंगे और ज़िला लोक संपर्क अधिकारी सभी तरह की आवश्यक सूचनाओं व आदेशों की जानकारी मीडिया के साथ साझा करेंगे।

.....

पुण्य तिथि

हिमाचल निर्माता व प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री डॉक्टर यशवंत सिंह परमार की आज पुण्य तिथि है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने उन्हें याद करते हुए कहा कि डॉक्टर परमार ने न केवल प्रदेश के विकास में अपना अहम योगदान दिया बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी सशक्त किया। विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने भी पुण्यतिथि पर डॉक्टर परमार को नमन किया। इस दौरान सिरमौर कल्याण मंच सोलन द्वारा भी आज हिमाचल निर्माता को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

.....

प्राकृतिक खेती

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा रसायन मुक्त, स्वदेशी गाय आधारित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए किसानों को मिशन के माध्यम से 2 साल तक प्रति एकड़ 4 हज़ार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। ऊना जिला में लगभग 14 हजार किसान, प्राकृतिक खेती से जुड़ कर गैर–रासायनिक और कम लागत वाली खेती को अपना रहे हैं। अधिक ब्यौरे के साथ ये रिपोर्ट.....

डिस्पैच : हिमाचल प्रदेश के ऊना जिला में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के माध्यम से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिल रहा है जिस से किसान कम लागत में, कृत्रिम उर्वरकों और कीटनाशकों रहित खेती कर रहे हैं । इस से लोगों को स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उत्पाद मिल रहे हैं और पर्यावरण को और दूषित होने से भी बचाया जा रहा है । जिले के 14,240 किसानों का प्राकृतिक खेती से जुड़ाव हो चुका है, जिन्हें समय–समय पर तकनीकी जानकारी के साथ–साथ जैविक उर्वरक और कीटनाशक उपलब्ध करवाए जा रहे हैं । प्राकृतिक उत्पादों से किसानों को अधिक दाम मिल रहे हैं, जिस से उनकी आमदन में वृद्धि हो रही है । इन किसानों का कहना है कि प्राकृतिक खेती अपनाकर वे लोगों को जानलेवा बीमारियों से दूर रखने के अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का भी निर्वहन कर पा रहे हैं ।

.....